भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2253
बुधवार, 12 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसम और कृषि संबंधी परामर्श की स्थिति

†2253. श्री परषोत्तमभाई रूपाला:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में मौसम संबंधी परामर्श के बाद कृषि संबंधी परामर्श जारी करने पर बल दिया है और यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) वर्तमान प्रणाली किस प्रकार काम कर रही है और ग्राम पंचायत का उपयोग करके स्थानीय स्तर, ब्लॉक स्तर/ ग्राम स्तर पर परामर्श कब तक जारी किया जाएगा?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)/पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए विशेष रूप से ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) स्कीम के तहत कृषि-मौसम संबंधी परामर्शिका सेवाएं (AAS) प्रदान करता है। इस स्कीम के तहत, IMD जिला और ब्लॉक स्तर पर अगले 5 दिनों के लिए मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान (तापमान, वर्षा, पवन, सापेक्ष आर्द्रता और बादल की मात्रा) तथा मौसम विज्ञान उपखंड स्तर पर अगले सप्ताह के लिए वर्षा और तापमान पूर्वानुमान तैयार करता है। IMD द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमानों के साथ-साथ वास्तविक वर्षा और अन्य मौसम मापदंडों के आधार पर, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (SAU), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के संस्थानों तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) आदि में स्थित 130 कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयां (AMFU) अपने क्षेत्राधिकार के तहत जिलों के लिए प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को कृषि-मौसम परामर्शिकाएं तैयार करते हैं और किसानों को दिन-प्रतिदिन की कृषि गतिविधियों जैसे कि फसलों और किस्मों के प्रकार का चयन, बुवाई, कटाई, सिंचाई, उर्वरक डालने आदि के लिए उपयुक्त समय के बारे में निर्णय लेने के लिए सूचित करते हैं।

द्विसाप्ताहिक बुलेटिनों के साथ-साथ, IMD के प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्रों (RMC) और मौसम विज्ञान केंद्रों (MC) द्वारा किसानों को दैनिक मौसम पूर्वानुमान और तात्कालिक जानकारी भी प्रसारित की जाती है। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NWFC), नई दिल्ली और IMD के प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्रों और मौसम विज्ञान केंद्रों द्वारा संपूर्ण देश के विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न जिलों के लिए जारी गंभीर मौसम चेतावनियों के आधार पर AMFU द्वारा कृषि के लिए प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (IBF) भी तैयार किए जा रहे हैं।

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इंटरनेट आदि जैसी बहु-चैनल प्रसारण प्रणालियों के माध्यम से किसानों को कृषि मौसम संबंधी परामर्शिकाएं प्रदान की जाती है, जिसमें किसान पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन का उपयोग करके एसएमएस और सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) मोड के तहत निजी कंपनियों के माध्यम से प्रसारण भी शामिल है। किसान पोर्टल के माध्यम से चक्रवात, गहरे अवदाब आदि जैसी चरम मौसम की घटनाओं के दौरान उपयुक्त सुधारात्मक उपायों के साथ एसएमएस-आधारित अलर्ट और चेतावनियाँ भेजी जाती हैं।

किसान भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किए गए मोबाइल ऐप 'मेघदूत' के माध्यम से अपने जिलों के लिए अलर्ट और संबंधित कृषि मौसम संबंधी परामर्शिकाओं सहित मौसम की जानकारी प्राप्त करते हैं। ये मौसम संबंधी विवरण 'मौसम' ऐप के माध्यम से भी किसानों के लिए उपलब्ध हैं। कृषि कार्यों पर उपयुक्त निर्णय लेने के लिए ग्रामीण किसानों को वास्तविक समय के मौसम अपडेट प्रदान करने के लिए, AMFU मौसम पूर्वानुमान, गंभीर मौसम की चेतावनियों और कृषि-मौसम परामर्शिकाओं का प्रसारण करने के लिए 'व्हाट्सएप', 'फेसबुक', 'यूट्यूब' आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग करती हैं।

AAS की पहुंच बढ़ाने के लिए, IMD ने हाल ही में राज्य सरकार के आईटी प्लेटफॉर्म (मोबाइल ऐप/वेबसाइट) के साथ सेवा को एकीकृत करने की पहल की है। अब तक, 16 राज्य सरकारों, अर्थात बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए एकीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा इन राज्यों के किसान अपने राज्य सरकार के आईटी प्लेटफॉर्म से अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

मंत्रालय ने हाल ही में ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) पहल शुरू की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) के सहयोग से 24 अक्टूबर 2024 को भारत की लगभग सभी ग्राम पंचायतों के लिए GPLWF लॉन्च किया। ये पूर्वानुमान ई-ग्रामस्वराज (https://egramswaraj.gov.in/), मेरी पंचायत ऐप, पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) का ई-मानचित्र तथा आईएमडी का मौसमग्राम (https://mausamgram.imd.gov.in/) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

GKMS सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए, IMD देश के विभिन्न क्षेत्रों में AMFU के सहयोग से किसान जागरूकता कार्यक्रम (FAP) आयोजित करके कृषक समुदाय के बीच जागरूकता सृजित करने के लिए राज्य कृषि विभागों, गैर सरकारी संगठनों और SAU सहित विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। इसके अतिरिक्त, AMFU के विशेषज्ञों के सहयोग से IMD किसान मेलों, किसान दिवस कार्यक्रमों और क्षेत्र के दौरों में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जिससे इन मौसम-आधारित कृषि परामर्शिका सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ सीधे बातचीत की सुविधा मिलती है, जिससे कृषक समुदाय के लिए उनके लाभों को अधिकतम किया जाता है।

******